प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं
सेट–सी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. राष्ट्रमाता.....को कहा गया है।

(लक्ष्मी बाई / कस्तूरबा)

2. त्रिलोक में.....समास है।

(द्विगु / तत्पुरूष)

3. चन्द्रकांत.....सभ्यता व रहन–सहन का प्रेमी था।

(अंग्रेजी सभ्यता / देहाती सभ्यता)

4. अर्थ की दृष्टि से वाक्य.....प्रकार के होते है।

(तीन / आठ)

5. दक्षिण भारत की एक झलक.....विधा से संबंधित पाठ है।

(यात्रावृत्त / एकांकी)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) रहीम ने काव्य की रचना की है –

(अ) युद्ध संबंधी (ब) वीर रस पूर्ण

(स) नीति परक (द) विवाह संबंधी

(2) तडाग का अर्थ हे –

(अ) सागर (ब) नदी

(स) तालाब (द) कुंआ

(3) कन्याकुमारी का नाम पड़ा है –

(अ) राधा के नाम पर (ब) लक्ष्मी के नाम पर

(स) पार्वती के नाम पर (द) शारदा देवी के नाम पर

(4) नर से नारायण निबंध के लेखक है –

(अ) बाबू गुलाबराय (ब) फणीश्वरनाथ रेणु

(स) देवेन्द्र दीपक (द) कन्हैयालाल मिश्र

(5) सूरदास अनन्य भक्त है –

(अ) विष्णु के (ब) राम के

(स) कृष्ण के (द) दुर्गा के

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य / असत्य छांटकर लिखिए –

1. 'यशोधरा की व्यथा' कविता मैथिलीशरण गुप्त की है।

2. भूषण शांत रस के कवि है।

3. वात और बात शब्द क्रमशः रोग और कथन के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

4. यह वही कलम है जिसे हमने देखा है मिश्रित वाक्य है।

5. महिला ने अस्पताल का सारा बिल चुकता किया।

प्रश्न 4. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	पुस्तक	–	गोपाल सिंह नेपाली
(2)	विलक्षण का अर्थ बोध कराता है	–	देवेन्द्र दीपक
(3)	हिमालय और हम	–	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(4)	शौर्य गाथा	–	मुहावरा
(5)	जागो फिर एक बार	–	कविवर भूषण

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. शून्य का अविष्कार किस देश में हुआ था?

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने भागों में विभाजित किया गया है?

3. सिंधु नदी तीर वासी किसे कहते है?

4. नालंदा में पुस्तकालयों के विशिष्ट क्षेत्र को क्या कहते है?

5. 'दशानन' में कौन सा समास है?

प्रश्न 6. राजा का चुनाव करना क्यों आवश्यक है?

अथवा

मन को एकाग्र करने के बाह्य साधन क्या है?

प्रश्न 7. नालंदा विश्वविद्यालय में स्थित किन्हीं दो पुस्तकालयों के नाम लिखिए।

अथवा

गांधी जी के अनुसार ईश प्रार्थना करने का उपयुक्त समय क्या है?

प्रश्न 8. भारतेन्दु युगीन दो निबंधकारों एवं उनकी एक–एक रचनाओं के नाम लिखिए।

अथवा

द्विवेदी युग के किन्हीं दो निबंधकारों के नाम एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 9. भारतेंदु युग के निबंधों की विशेषताएं लिखिए। कोई–2

अथवा

शुक्ल युग के निबंधों की विशेषताएं लिखिए। कोई–2

प्रश्न 10. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. नाक में दम करना।
2. सिर धुनना।

अथवा

मुहावरा और लोकोक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. निम्नलिखित भिन्नार्थक शब्दों का अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये।

1. कूल–कुल
2. सुत–सूत

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

1. रविवार के दिन छुट्टी रहती है।
2. तुम तुम्हारे घर जाओ।

प्रश्न 12. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. मोहन पुस्तक खरीदकर पढ़ता है। (मिश्र वाक्य)
2. आपको चुप रहना चाहिए। (आज्ञा वाचक)

अथवा

1. शीला रोज पढ़ने जाती है। (निषेधात्मक वाक्य)
2. अशोक राजनगर में रहता है। (प्रश्न वाचक वाक्य)

प्रश्न 13. (अ) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. समुद्र
2. अग्नि

(ब) कोई दो पारिभाषिक शब्द लिखिए।

अथवा

(अ) निम्न शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

1. हाथ
2. पत्ता

(ब) निम्नलिखित के अंग्रेजी परिभाषिक शब्द लिखिए। कोई–2

1. शपथ
2. अधिवक्ता
3. सचिव

प्रश्न 14. निम्नलिखित का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए। कोई–2

1. नील–गगन

2. राज सिंहासन

3. सुख–दुख

अथवा

समास की परिभाषा लिखकर उसके प्रकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न 15. भाव पल्लवन कीजिए।

आशा से आकाश थमा है।

अथवा

विश्वास पात्र मित्र जीवन की एक औषधि है।

प्रश्न 16. कवि ने समुद्र की अपेक्षा कुंए के जल की प्रशंसा क्यों की है?

अथवा

छत्रसाल की तलवार को प्रलयकारी सूर्य के समान क्यों कहा गया है?

प्रश्न 17. बालकृष्ण को देखकर माता यशोदा के हृदय में कौन–कौन सी अभिलाषाएं जगती है?

अथवा

यशोदा की निजी व्यथा लोक व्यथा क्यों बन गई है?

प्रश्न 18. कवि मां से क्या कामना करता है?

अथवा

'हम कहां जा रहे है' से कवि क्या संदेश देना चाहते है?

प्रश्न 19. भीषण गर्मी के बाद प्रथम वर्षा के सुखद भाव का वर्णन कीजिए।

अथवा

लोगों की सिरचन के प्रति क्या धारणा थी? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 20. कस्तूरबा को तेजस्वी महिला क्यों कहा गया है?

अथवा

वक्त की पाबंदी के संबंध में गांधी जी का क्या मत था? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 21. 'मन की एकाग्रता' पाठ के आधार पर छात्र की समस्याएं कौन–कौन सी है?

अथवा

पुस्तकें किन षड्यंत्रों का शिकार होती है?

प्रश्न 22. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

पेड़ों में पत्ते तक उनका, त्याग देखकर त्यागे।
मेरा धुंधलापन कुहरा बन, छाया सबके आगे।
उनके तप के अग्नि कुंड से घर–घर में है जागे।
मेरे कम्प हाय! फिर भी तुम नहीं कहीं से भागे।
पानी जमा परंतु न मेरे, खट्टे दिन का दूध दही।

अथवा

मैं धरा का धैर्य हूँ।
ज्यांति हूँ मैं ही गगन की
अग्नि की मैं ही लपट हूँ
तीव्र गति हूँ मैं पवन की
नीर का गंभीर स्वर हूँ
वत्सला हूँ वन्दना हूँ
मैं जननि हूँ जन्मदात्री।

प्रश्न 23. हिमालय और हम कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

अथवा

कवि 'जागो फिर एक बार' में क्या उद्‌बोधन देता है?

प्रश्न 24. रवीन्द्र नाथ टैगोर को सौन्दर्य की अनुभूति कैसे हुई?

अथवा

केरल के गांवों की कौन–कौन सी विशेषताएं है?

प्रश्न 25. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शिक्षा का उद्‌देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाता है। उनमें आत्मनिर्भरता की भावना भरना तथा देशवासियों का चरित्र निर्माण करना होता है। परंतु वर्तमान शिक्षा प्रणाली से इस प्रकार का कोई लाभ नही हो रहा है। प्रतिवर्ष हजारों नवयुवक डिग्री प्राप्त करके निकलते है और उन्हें नौकरी नहीं मिल पाती। इस कारण बेकारी दिनो–दिन बढ़ती जा रही है।

प्रश्न 1. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. बेकारी का पर्याय लिखिए।

प्रश्न 3. गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 4. शिक्षा का उद्‌देश्य लिखिए।

प्रश्न 26. निम्नांकित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

'सच्चा कर्म, सच्ची सेवा, सच्चा धरम।
दुश्मन के आगे कभी झुके नहीं हम।
खौलता है खून, सांस चलती गरम।
कितने हो कष्ट नहीं होते जो नरम।
भारत मां की आबरू ये पहचानते।
माता धरती का दर्द ये ही जानते।

प्रश्न 1. उपरोक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. कवि सच्चा धर्म किसे मानता है?

प्रश्न 3. उपयुक्त पंक्तियोंका भावार्थ लिखिए।

प्रश्न 4. दुश्मन के पर्यायवाची लिखिए।

प्रश्न 27. शाला शुल्क मुक्ति हेतु विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अध्ययन की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200–250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. राष्ट्रीयता के आधार
2. जीवन में खेलों का महत्व
3. विज्ञान एवं मानव
4. विद्यार्थी और अनुशासन
5. पर्यावरण प्रदूषणः कारण एवं निवारण।

(ब) शेष बचे निबंधों में से किसी एक निबंध की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. कस्तूरबा।
2. द्विगु।
3. अंग्रेजी सभ्यता।

4. आठ।

5. यात्रावृत्त।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. नीति परक
2. तालाब
3. पार्वती के नाम पर
4. बाबू गुलाब राय
5. कृष्ण के

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन–

(1) सत्य।

(2) असत्य।

(3) सत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां –

	क	**–**	**ख**
(1)	पुस्तक	–	देवेन्द्र दीपक
(2)	विलक्षण का अर्थ बोध कराता है	–	मुहावरा
(3)	हिमालय और हम	–	गोपाल सिंह नेपाली
(4)	शौर्य गाथा	–	कविवर भूषण
(5)	जागो फिर एक बार	–	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. भारत।
2. चार।
3. भारवासियों।
4. धर्मगंज।
5. बहुब्रीहि।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. राजा की मृत्यु हो चुकी थी और कोई राज–काज चलाने वाला नहीं था। मंत्री भी वृद्ध हो गया था वह राज–काज से छुटकारा चाहता था।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मन को एकाग्र करने के बाह्म साधन यम, नियम, संयम आदि है। योग साधना से मन कुछ समय को एकाग्र हो जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. नालंदा विश्वविद्यालय प्राचीन काल में शिक्षा का महान केन्द्र था। यहां पर रत्न सागर, रत्नोदधि और रत्नरंजक नामक तीन विशाल पुस्तकालय थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गांधी जी के अनुसार ईश प्रार्थना करने का उपयुक्त समय सूर्योदय से पूर्व का है। वे सूर्य निकलने से पूर्व उठकर प्रार्थना करने को बहुत अच्छा मानते थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. भारतेन्दु हरिशचन्द्र – फुटकर निबंध, पांचवे पैगम्बर

प्रताप नारायण मिश्र – कलि प्रभाव, वृद्ध, दांत, पेट

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

महावीर प्रसाद द्विवेदी – साहित्य सीकर, विचार विमर्श

सरदार पूर्ण सिंह – सच्ची वीरता, मजदूरी और प्रेम

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. भारतेन्दु युग के निबंधों की विशेषताएं –

1. इस युग में समाज सुधार तथा जन जागरण का उल्लेखनीय कार्य हुआ।
2. इस युग में गद्य में हास्य–व्यंग्य एवं रोचकता विद्यमान है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शुक्ल युग के निबंधों की विशेषताएं –

1. निबधकारों ने समसामयिक प्रश्नोंऔर समस्याओं पर अपनी लेखनी चलाई है।
2. निबंधकारों की शैली अत्यंत प्रौढ़ एवं प्रभावशाली है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. मुहावरें –

1. नाक में दम करना – परेशान करना।

प्रयोग– शोर गुल ने तो नाक में दम कर दिया है।

2. सिर धुनना – पश्चाताप प्रकट करना।

प्रयोग– रमेश फेल होकर सिर धुनने लगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुहावरा–

1. मुहावरा वाक्यांश है।
2. मुहावरे का प्रयोग वाक्य के आदि मध्य या अंत में होता है।

लोकोक्ति –

1. लोकोक्तियां संपूर्ण वाक्य है।
2. लोकोक्ति वाक्य के अंत में प्रयुक्त होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. भिन्नार्थक शब्द

1. कूल – किनारा – वाणारसी में गंगा का फूल देखने योग्य है।
2. कुल–परिवार – वह अच्छे कुल का है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वाक्य शुद्ध –

1. रविवार को छुट्टी रहती है।
2. तुम अपने घर जाओ।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. वाक्य परिवर्तन –

1. मोहन ने कहा कि वह पुस्तक खरीदकर पढ़ता है।

2. आप चुप रहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. शीला रोज पढ़ने नहीं जाती है।
2. क्या अशोक राजनगर में रहता है?

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) पर्यायवाची शब्द–

1. समुद्र – सागर, सिन्धु, पयोधि
2. अग्नि – आग, पावक, अनल

(ब) विलोम शब्द–

1. आदर – अनादर
2. यश – अपयश

अथवा

(अ) तत्सम रूप–

1. हाथ – हस्त
2. पत्ता – पर्ण

(ब) परिभाषिक शब्द–

1. शपथ
2. अधिवक्ता
3. सचिव
4. समाधि

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. समास विग्रह–

नील गगन – नीला है जो गगन। – कर्मधारय समास

राज सिंहासन – राजा का सिंहासन – तत्पुरूष समास

सुख दुख – सुख और दुख – द्वन्द समास

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

समास– दो अथवा दो से अधिक पदों के परस्पर मिल जाने पर जब एक पद बन जाता है तो उसे समास कहते है।

समास के छः प्रकार है–

1. अव्ययीभाव
2. तत्पुरूष
3. कर्मधारय
4. द्वन्द
5. द्विगु
6. बहुब्रीहि

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. भाव पल्लवन –

इस संसार में जीवन क्षण भंगुर है। मानव जीवन कब समाप्त हो जाये इसका भरोसा नहीं है। लेकिन विद्वानों के कथन के अनुसार जब तक सांस है तब तक आस है। अर्थात जब तक सांस रहती है तब तक मन में आशा रहती है ये आसमान भी आशा के बल पर टिका हुआ है। आशा दुख में हमारा सहारा बनती है। अतः हमें आशावादी बनना चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भाव पल्लवन–

मानव शरीर जब रोग ग्रस्त हो जाता है तो औषधि ही उसे रोग मुक्त करती है उसी प्रकार से जीवन में विश्वासपात्र मित्र बुराईयों से बचाता है। ऐसे मित्र हमारे पथ प्रर्दशक होते है। ये हमारे मन में दृढ़ता तथा सच्चा प्रेम उत्पन्न करते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. कुएं के जल को पीकर मनुष्य की प्यास बुझती है। उसके ह्रदय को तृप्ति का अनुभव होता है जबकि समुद्र के जल से व्यक्ति प्यास नहीं बुझा पाता है। वह प्यासा ही रह जाता है। इसलिए उसकी प्रशंसा की जाती है। अर्थात् हमारे पास की थोड़ी वस्तु भी यदि किसी के काम आती है, तो जीवन की सार्थकता इसी में छुपी है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

छत्रसाल के हाथ में बरछी सूर्य के समान चमकती है जिस प्रकास सूर्य अंधकार को नष्ट कर देता है उसी प्रकार उनकी बरछी शत्रुओं का समूल नाशकर देती है। इसलिए इसे प्रलयकारी सूर्य के समान कहा है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. बालक कृष्ण को देखकर माता यशोदा यह अभिलाषा करती है कि कब मेरा पुत्र घुटनों के बल चलकर धरती पर चलेगा। कब दूध के दो दांत देखूंगी। कब वह तोतली बोली बोलेगा। कब नंद को बाबा और मुझे मां कहकर पुकारेगा। कब मेरा आंचल पकड़कर मुझसे झगड़ा करेगा। कब थोड़ा–थोड़ा अपने हाथों से खायेगा। कब हंसकर बात करेगा जिससे मेरे सारे दुख दूर होंगे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

यशोधरा के पति गौतम बुद्ध ने लोक मंगल के लिए साधना का पथ अपनाया था। यशोधरा की सखिया, संपूर्ण प्रकृति यशोधरा की करूणा एवं व्यथा में सहभागी थी। यही कारण है कि यशोधरा की निजी व्यथा समाज एवं प्रकृति में भी प्रतिभासित होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. कवि मां से यह कामना करते है कि वह उसे ऐसी शक्ति प्रदान करें जिसके बल पर वह जीवन की कठिनाईयों पर जीत हासिल कर सके। कष्टों में भी जीवन की प्रसन्नता समाप्त न हो। देश की उन्नति के लिए हम सदैव क्रियाशील रहे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि इस कविता के माध्यम से यह कहना चाहता है कि हम दिखावे की प्रवृत्तियों को उतार फेंके। पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति का अंधानुकरण बंद कर दे। भारतीय विरासत और सांस्कृतिक निष्ठा दुनिया में श्रेष्ठ है। जरूरत इनकी श्रेष्ठता को पहचानने की है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. भीषण गर्मी के पश्चात काले–काले बादलों को देखकर मन नाच उठता है। वर्षा की नन्ही–नन्ही बूंदों का शीतल स्पर्श अत्यंत सुखद एवं पुलकित कर देने वाला होता है। प्रथम वर्षा से सड़के घुलकर स्निग्ध और चमकीली दिखाई देने लगती है। पेड़ पौधे धुले हुए एवं पवित्र गान करते प्रतीत होते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सिरचन एक कुशल कारीगर है। उसके जैसी शीतलपाटी, चिक, आसनी, मूंज के जाले, ताल के पत्ते की छतरी टोपी बनाना कोई नहीं जानता है। पहले तो लोग उसकी कला का महत्व मानते थे। उसे खुशामद करके काम कराने ले जाते थे किन्तु अब समय के साथ सिरचन के प्रति लोगों की धारणा बदल गई है। अब उसे बेकार का आदमी समझते है। उनकी धारणा है कि सिरचन मुफ्तखोर, कामचोर, चटोर के साथ–साथ घमण्डी एवं मुंहफट है। लोग उसकी कलाकारी को बेकार का काम मानते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. जब कस्तूरबा को दक्षिण अफ्रीका की सरकर ने गिरफ्तार करके जेल भेजा तब उन्होंने किसी प्रकार का बचाव तक नहीं किया उन्होंने किसी प्रकार की प्रार्थना भी नहीं की अपितु स्पष्ट कह दिया ''मुझे तो वह कानून तोड़ना है जो यह कहता है कि मैं महात्मा जी की धर्मपत्नी नहीं हूँ।'' सरकार ने जेल में उनके मनोबल को कमजोर करने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। अतः सरकार को झुकना पड़ा। इसलिए कस्तूरबा को तेजस्वी महिला कहा गया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गांधी जी स्वयं जीवन भर वक्त के पाबंद रहे। वे अपने पुत्र को भी समय की पाबंदी की शिक्षा देते थे। उनका मत था कि तुम प्रतिदिन शाम को नियम पूर्वक प्रार्थना करते होगे। प्रातः काल सूर्य निकलने से पूर्व जागकर ईश्वर की आराधना करना अच्छा होता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. छात्र की समस्याएं दो प्रकार की है। पहली समस्या यह है कि उसका मन योग और ऐश्वर्य पाने के लिये उसे लालायित करता है और दूसरी समस्या यह है कि उसकी बुद्धि एकाग्र नहीं होती है। बाहर की चकाचौंध उसे अपनी ओर

खींचती है और आन्तरिक मन उसे अनेक स्मृतियों और कामनाओं में भटकता है। इस प्रकार छात्र अन्तर और बाह्म समस्याग्रस्त हो जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पुस्तके प्रायः षड्यंत्रों का शिकार होती है– पुस्तके तिरस्कृत एवं प्रतिबंधित षड्यंत्रों के कारण होती है। विशेष लेखकों की पुस्तकें जला दी जाती है। पुस्तकों के खिलाफ राजनीतिक, साहित्यिक, धार्मिक और भाषाई षड्यंत्र किये जाते है। कुछ धुर्त लोग ग्रंथों में अन्य वाक्य जोड़ देते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश यशोधरा की व्यथा नामक कविता से उद्धृत है जिसके कवि मैथिलीशरण गुप्त है।

प्रसंग :– कवि यशोधरा की विरह व्यथा को प्रकृति से जोड़कर देखते है।

व्याख्या :– कवि के अनुसार यशोधरा के पति के वैराग्य से प्रभावित होकर पेड–पौधे ने भी पत्ते त्याग दिये। वस्तुतः पेड़ों ने पतझड़ के प्रभाव से पत्ते त्यागे किन्तु कवि ने उसे गौतम के त्याग से जोड़ दिया है। यशोधरा की निराशा कुहरा बनकर वातावरण में छा गई है। गौतम तप के अग्निकुण्ड के पास बैठकर तपस्या रत है जिससे प्रेरित हो कर घर–घर में अग्नि कुण्ड जल गये है। घर–घर अंगीठियां जलने के बाद भी यशोधरा की कंपकपी दूर नहीं हुई। अर्थात यशोधरा विरह की अग्नि में जलती रही। ठंड में जैसे दूध से दही नहीं जमता मेरा दुख भी नहीं जमा।

विशेषः– यशोधरा के विरह का चित्रण प्रभावी है। वियोग श्रंगार, माधुर्य गुण भाषा सरल एवं खड़ी बोली।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 विशेष 1 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

आशा से.....निर्झर छूटे।

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक मकरंद के पाठ मां से अवतरित है। इसके कवि आधुनिक युग के कवि बाल कवि बैरागी जी है। है।

प्रसंगः– कवि ने मां के विराट व्यक्तित्व का अनुभूतिपरक चित्र खींचा है।

व्याख्याः– कवि कहते है कि मां प्रेरक एवं महान व्यक्तित्व की धनी है। मां कहती है कि मैं संपूर्ण धरती का धीरज हूॅ। मैं आकाश का प्रकाश पुंज, सूर्य–चन्द्र हूॅ। मैं ही आग हूॅ तथा मैं ही हवा की गति हूॅ। जल के प्रवाह का स्वर हूॅ, जो गंभीर है। मैं धरती पुत्रों को स्नेह, ममता देने वाली हूॅ। मैं वंदना के योग्य हूॅ। मैं माता हूॅ क्योंकि मैं जन्म देने वाली मां हूॅ।

विशेषः– मां के विराट व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला है। खड़ी बोली, वात्सल्य रस अनुप्रास अलंकार एवं माधुर्य गुण।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. इसमें कवि ने भारतीय स्वाभिमान का प्रतीक हिमालय को भारतीय पहचान चिन्ह के रूप में निरूपित किया है। देश की भौगोलिक संरचना राष्ट्रीय भावना का आधार है। हिमालय पर्वतों का राजा है। इसकी प्राकृतिक घटा अनुपम है। यह सुंदरता भारत की बाहरी तथा आंतरिक सौंदर्य को व्यक्त करने में समर्थ है। यहां की भोर तथा संध्या प्राकृतिक सौंदर्य के साथ भारतीय चिंतन को भी व्यक्त करती है। यहां वेद की रचना हुई। यह अमर है। हिमालय के मानवीकरण द्वारा कवि ने राष्ट्रीय भावना को अभिव्यक्त किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि वीरों को यह ज्ञान देते है कि ये मानव जीवन नश्वर है। निराला जी ने कविता में भारत वासियों को स्वतंत्रता संग्राम में योद्धा के समान संघर्ष करने का उद्‌बोधन देते है। इसमें बताया गया है हमारा अतीत अत्यंत गौरवमय रहा है। इसी परम्परा का पालन करते हुए कायरता का त्यागकर पराक्रम का रौद्र रूप धारण कर लो। इस तरह कवि इस कविता के द्वारा संघर्ष करने का उद्‌बोधन देते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. खिड़की दरवाजों से ठंडी हवा का झोंका आया और टैगोर जी का तन बदन चांदी में नहा गया। इस प्राकृतिक मनोहारी सौन्दर्य को देख वे इतने अभिभूत हो गए कि उनके मुख से अकस्मात निकल पड़ा कि – 'यह है सौन्दर्य'। वस्तुतः सौन्दर्य को शब्दों के माध्यम से नहीं बल्कि अनुभव के माध्यम से समझा जा सकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

केरल में रहन–सहन का स्तर उंचा है। नारियल के अवयवों से बने घर स्वच्छ एवं हरियाली से युक्त रहते है। प्रत्येक घर में दस–पांच नारियल, दो–चार केले और कटहल के पेड़ अवश्य मिल जाते है। गांव की गलियां साफ–सुथरी रहती है। सभी गांव बिजली से रौशन है। प्रत्येक गांव में डाकखाना, दवाखाना और स्कूल है। सभी स्कूलों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। गांव में भोजन के बाद जीरे का उबाला हुआ गुनगुना पानी पीने को मिलता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक– वर्तमान शिक्षा

उत्तर 2. बेकारी का पर्याय बेरोजगारी है।

उत्तर 3. सारांश– शिक्षा का उद्देश्य आत्म निर्भर चरित्र का निर्माण कर मनुष्य को मनुष्य बनाता है। लेकिन निरर्थक वर्तमान शिक्षा प्रणाली प्रतिवर्ष युवाओं में डिग्री बांटकर बेरोजगारी बढ़ा रही है।

उत्तर 4. शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को आत्म निर्भर बनाना और देशवासियों का चरित्र निर्माण करना है ताकि वे सच्चे अर्थों में मनुष्य बन सके।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक – भारत के सच्चे पुत्र

उत्तर 2. कवि के अनुसार सच्चा धर्म यह है कि शत्रु के आगे कभी भी झुके नहीं।

उत्तर 3. शत्रु के आगे कभी भी न झुकना ही सच्चा, कर्म, धर्म एवं सेवा है। भारत मां की आबरू और पीड़ा के प्रति हम सदैव तत्पर है।

उत्तर 4. दुश्मन के पर्यायवाची है – शत्रु, बैरी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 27.

<u>शाला शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र</u>

प्रति,

प्राचार्य महोदय,

शा.उ.मा.वि.

भोपाल (म.प्र.)।

विषयः– शाला शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मेरे पिताजी की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इस कारण मैं विद्यालय का शिक्षण शुल्क जमा करने में असमर्थ हूँ।

अतः श्रीमान से निवेदन है कि मुझे शिक्षण शुल्क से मुक्त करने की कृपा करें, ताकि मैं निश्चिन्त होकर अध्ययन में मन लगा सकूं। आशा है मेरी आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुझे सहयोग प्रदान करेंगे।

धन्यवाद।

आवेदक

दिनांक

राजेश कुमार त्यागी
पिता श्री मनमोहन त्यागी
कक्षा– XII वर्ग 'ब'

संबोधन–1 अंक, विषय–1 अंक, विषयवस्तु–1 अंक, प्रेषक–1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अध्ययन की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र

26, मल्हार गंज, इन्दौर

दिनांक.....

पूजनीय पिताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहां कुशलता पूर्वक हूँ आशा करता हूँ आप भी वहां सकुशल होंगे। आपका पत्र मिला। आपने मेरी पढ़ाई के बारे में चिन्ता व्यक्त की है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मेरी पढ़ाई बहुत अच्छी चल रही है। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में भी मैंने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा आगे की तैयारी भी बहुत

अच्छी चल रही है। आप किसी भी प्रकार की चिन्ता न करें एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पूज्य माताजी को चरण स्पर्श कहियेगा। बंटी और रिंकी को स्नेह।

आपका बेटा

मयंक शर्मा

पताः–

श्री मोहनलाल जी शर्मा

ग्राम– घोंसला

जिला– उज्जैन (म.प्र.)

संबोधन–1 अंक, विषय–1 अंक, विषयवस्तु–1 अंक, प्रेषक–1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. (अ) निबंध–

राष्ट्रीयता के आधार

प्रस्तावना :– राष्ट्रीयता का महत्व।

राष्ट्र की परिभाषा :– भाषा, जाति, संस्कृति, इतिहास आदि में युक्त जन समूह। स्वतंत्रता को अक्षुण्य बनाये रखने के लिए किये गये प्रयास।

राष्ट्रीयता के अनिवार्य तत्व :– भावात्मक गुण, सामाजिक एकता, राजनैतिक समाज की व्यवस्था। सम्मान सहित, स्वाधीनता पूर्वक जीवन यापन की उत्कृष्ट अभिलाषा। समान जातीय भावना, समान धर्म, समान भाषा, आर्थिक स्वार्थों में समानता तथा समान शासन। आपसी मेल मिलाप और भाईचारे की आवश्यकता।

राष्ट्रीयता के गुण :– आत्मिक हीनता की समाप्ति तथा स्वाभिमान की जागृति। राष्ट्र का कल्याण, व्यक्ति के संकुचित स्व का परित्याग। विश्व बंधुत्व की भावना का उदय। संकल्पों और विचारों में दृढ़ता। स्वाधीनता के प्रति अडिग आस्था।

आधुनिक युग में राष्ट्रीयता का स्थान :– राष्ट्रीयता अन्तर्राष्ट्रीयता में परिवर्तित। संकुचित स्व पर आधारित राष्ट्रीयता का परित्याग। सह अस्तित्व के सिद्धांत का प्रचार और प्रसार। विश्व एक परिवार।

उपसंहार :– सुख और शांति के लिए संकुचित स्व को छोड़ स्वतंत्र राष्ट्र के लिए राष्ट्रीयता तथा विश्व के लिए अन्तर्राष्ट्रीयता की भावना अत्यंत आवश्यक।

(कुल 7 अंक)

(ब) रूपरेखा–

विज्ञान और मानव

1. प्रस्तावना।
2. विज्ञान की प्रगति।
3. विज्ञान से लाभ।
4. विज्ञान से हानि।
5. मानव और विज्ञान का संबंध।
6. उपसंहार।

(कुल 3 अंक)

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –